ब्रह्माकुमार 'ओम' का 'प्रकाश' से मिलन

- ओमप्रकाश भाईजी की काया पंचतत्वों में विलीन
- भाईजी के प्रति श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन
- न्यू पलासिया स्थित ज्ञानशिखर मुख्य सेवाकेन्द्र से भाईजी की निकाली गई अंतिम यात्रा
- भारतवर्ष तथा विदेश से करीब 15 हज़ार से अधिक भाई-बहनों ने लियाभाग
- लगभग 50 वर्षों से ज़्यादा समय ईश्वरीय सेवा में रहे भाईजी ने 600 ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र स्थापित कर लाखों आत्माओं तक ईश्वरीय तथा राजयोग का दिया संदेश ।

तत्कालिन राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू में स्वागत करते हुए ब्र.कु. ओमप्रकाश।

2004 में संयुक्त राष्ट दिवस पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'इंटरनेशनल अवॉर्ड इन मीडिया फॉर स्पीरिच्युअलिटी' से ओमप्रकाश भाई जी को सम्मानित करते हुए।

माउण्ट आबू में म.प्र. के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को सम्मान पत्र भेंट करते हुए दादी जानकी व ब्र.कु. ओमप्रकाश भाई जी।

यूथ ईयर पर ईश्वरीय सेवाओं के लिए ब्र.कु. ओमप्रकाश भाईजी को मशाल देते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की तत्कालिन मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि ।

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

ब्रह्माकुमारी संस्थान के मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष तथा इंदौर क्षेत्र के निदेशक के रूप में सेवारत थे ब्र.कु. ओमप्रकाश

इन्दौर। ब्रह्माकुमारीज़,इंदौर-छ.ग. क्षेत्र के निदेशक तथा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्र.कु. ओमप्रकाश भाईजी के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन ज्ञानशिखर परिसर के ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय में किया गया जिसमें शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में माउण्ट आबू से आये ब्र.कु. आत्मप्रकाश ने कहा कि हमने इंजीनियरिंग की पढ़ाई साथ-साथ की जिससे मेरा भाईजी के साथ 1957 में प्रथम सम्पर्क हुआ। उनके अंदर एक दिव्य प्रतिभा थी, जिसके कारण उन्होंने समूचे विश्व में ब्रह्माकुमारीज़ का ज्ञान कोने-कोने में पहुंचाने में अपनी अहम भूमिका अदा की। उन्होंने उसी समय हमें सत्य आध्यात्मिक ज्ञान का परिचय दिया जिससे मेरे जीवन में सही अर्थ से प्रकाश आया।

श्रद्धांजलि सभा में ओमप्रकाश भाईजी के साथ का अनुभव सुनाते हुए ब्र.कु. अमीरचंद। साथ हैं ब्र.कु. हेमलता, ब्र.कु. आत्मप्रकाश, ब्र.कु. कमला व ब्र.कु. राजीव दीक्षित।

डॉ. शरद पंडित,स्वास्थ्य विभाग,इंदौर ने कहा कि स्वास्थ्य से सम्बन्धित होने के कारण कई बार उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ की समाज के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मेरे साथ जोड़ा। समाज की सेवाओं में उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित किया। कृपाशंकर शुक्ला,वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने भाईजी के महिलाओं के प्रति उच्च भावनाओं के गुण का वर्णन करते हुए कहा कि इंदौर में दिव्य कन्या छात्रावास की उनकी परियोजना अत्यंत प्रेरणादाई है, इस छात्रावास की कन्याओं ने समूचे भारत में इंदौर का नाम रोशन किया है। ब्र.कु. अमीरचंद,चंडीगढ़,क्षेत्रिय निदेशक,पंजाब क्षेत्र ने कहा कि भाईजी ने हर परिस्थिति में अचल अडोल और हर्षितमुख रह कर अपनी आंतरिक शक्तियों को उजागर करने के गुण से सभी के सामने एक आदर्श स्थापित किया है।ब्र.कु. हेमलता ने कहा कि आंतरिक पवित्र आत्मा रहे भाईजी के कुशल नेतृत्व में 500 से अधिक सेवाकेन्द्र बने और 800 से अधिक ब्रह्माकुमारी बहनों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बी.एस.सी. के बाद सर्जन बनने का संकल्प लिया लेकिन भाईजी ने रुहानी अर्थात् मनुष्य आत्माओं की कमज़ोरी ठीक करने का सर्जन बनना अधिक पसंद किया। भाईजी को विदाई देने हेतु ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय माउण्ट आबू राजस्थान से अतिरिक्त सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय, ज्ञानामृत के सम्पादक ब्र.कु. आत्मप्रकाश, मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. करुणा, बेहरीन की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. रुक्मणि, रायपुर से ब्र.कु. कमला, भोपाल की निदेशक ब्र.कु. अवधेश दीदी ब्र.कु. अशोक गाबा, पंबा से ब्र.कु. अमीरचंद, मीडिया प्रभाग के मुख्यालय समन्वयक ब्र.कु. शान्तनु, ओमशान्ति मीडिया के सम्पादक ब्र.कु. गंगाधर, प्रो. कमल दीक्षित, एकाउण्ट ऑफिसर ब्र.कु. ललित समेत सैकड़ों ब्र.कु. भाई बहनें उपस्थित थे।

आत्मा समझेंगे तो आएगी याद परमात्मा की : ब्र.कु.उषा

राजयोग मेडिटेशन फॉर हेल्दी एंड हैप्पी सोसायटी' का हुआ आयोजन

- आत्मा को पुनः शक्तिशाली बनाना होगा।
- इसलिए परमात्मा से सम्बंध अति आवश्यक।
- सबकी विशेषताएं देखो और विशेषताओं का करो वर्णन।
- जीवन में प्रसन्नता एवं खुशी के लिए राजयोग ज़रूरी – ब्र.कु. पुष्पारानी

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. पुष्पारानी, ब्र.कु. उषा व अतिथिगण।

नागपुर। आज मनुष्य का जीवन बहुत तनावपूर्ण एवं दुःखी हो गया है। जैसे कि आत्मा डिस्चार्ज हो गई है, उसकी आंतरिक शक्तियाँ एवं गुण लोप हो चुके हैं। आत्मा को पुनः शक्तिशाली बनाना आत्मा का संबंध परमात्मा से जोड़ने से ही संभव है। अपने को आत्मा समझेंगे तो परमात्मा की याद आयेगी, यही है राजयोग मेडिटेशन। उक्त उद्गार `राजयोग मेडिटेशन टेक्नीक्स फॉर हेल्दी एंड हैप्पी सोसायटी' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. उषा,माउण्ट आबू ने व्यक्त किये। मनुष्य को सुखी जीवन बनाने के लिए उन्होंने कहा कि जीवन यात्रा में जो भी तुम्हारे सामने आता है उनकी विशेषतायें देखो, विशेषताओं का, गुणों का वर्णन करो और उसके साथ सकारात्मक व्यवहार करो तो आपको भी सुख मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि योग माना शारीरिक क्रियायें व शारीरिक एक्सरसाइज़ नहीं बल्कि आत्मा का परमात्मा के साथ प्रेमपूर्वक मिलन है। अंत में उन्होंने सभी को राजयोग का अभ्यास सिखाया व सभी से राजयोग के अभ्यास से जीवन सुंदर बनाने की अपील की। कार्यक्रम में ब्र.कु. पुष्पारानी ने सभी का स्वागत किया और कहा कि जीवन में प्रसन्नता एवं खुशी चाहिए तो राजयोग मेडिटेशन को अपने जीवन का अंग बना लीजिए। उन्होंने कहा कि राजयोग मेडिटेशन द्वारा ही हमारे जीवन का सही विकास हो सकता है। ब्र.कु. रजनी ने भी अपने विचार प्रकट किये। ब्र.कु. मनीषा ने संस्था का परिचय दिया व ब्र.कु. नीलिमा ने मंच संचालन किया। ब्र.कु. प्रेमप्रकाश ने आभार प्रदर्शन किया।

सिरसा-हरियाणा। 'अखिल भारतीय किसान सशक्तिकरण अभियान' के सिरसा पहुंचने पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हैं ब्र.कु. रेखा, ब्र.कु. रजनी, ब्र.कु. राजेश, ब्र.कु. बिन्दू, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी संजीव गोयल,एग्रीकल्चर विभाग, गुणवत्ता नियंत्रण अधिकारी डॉ. सुखदेव सिंह व अन्य।